

Project WADI of ESL & NABARD wins award for Highest Survival rate of Plants in Jharkhand!

- 450 tribal farmers and their families of 8 villages of Chas & Chandankyari benefiting directly from the WADI Project.
- Over 25000+ mango, guava and timber plants cultivated in 450 acres of land under this project.

(Bokaro, 14th July 2023): ESL Steel Ltd in partnership with NABARD have recently won an award for their Project Wadi, for maximum survival rate of plantations in Jharkhand and their overall performance. NABARD had submitted their geo-tagging results to NABARD in which it was observed that the area under Project Wadi of Chas & Chandankyari has achieved the highest survival rate of plants ever observed in the state. This fruitful result was achieved through great care and efforts which were put in by both the organizations and with support from the tribal farmer community.

Project Wadi which started in the year 2020-'21, is being implemented in the 8 villages of Chas and Chandankyari block including Bhagabandh, Hutupathar, Partand, Kunwarpur, Nepoorchak, Asansol, Tetulia and Paschim Mahal. Under Project Wadi, the plantation of orchard was done on 450 acres of lands in the two consecutive years FY 21-22 and FY 22-23 which benefitted over 450 tribal farmers and their families. Through the WADI Project, a marginal tribal farmer who owns not more than 5 acres of land is helped with intercropping between two strategically selected crops. Plantation of fruit bearing trees and timber along with agricultural crops helps to minimize climatic, biological, and marketing risks. Along with the orchard-based activities, the project also covers financial assistance for Agri allied activities such as animal husbandry and micro-enterprise development activities to cover more landless population for better income generation under the project. The other components of the projects include arrangements for irrigation, land development, skill/capacity development of community, women folk, children, and health development. The aim of the WADI project is to provide sustainable livelihood to tribal and nontribal households out of orchard produce and help them to be self-reliant.

On the 42nd Foundation Day of NABARD, WADI beneficiary Mr Rajender Hemram, Mr Lakinder Manjhi & Shailender Soren were felicitated by NABARD for the achievement and the award was awarded by Chief Guest, Honorable Governor of Jharkhand, Mr. C. P. Radhakrishnan and NABARD C.G., M. Shri S.K Jahagirdar. This award comes as a testament of ESL Steel Ltd.'s relentless dedication towards the inclusive development of the local communities while actively participating and contributing to the vision of #BehtarJharkhand

ईएसएल और नाबार्ड के प्रोजेक्ट WADI ने झारखंड में पौधों की उच्चतम जीवन रक्षा दर के लिए पुरस्कार जीता!

- चास और चंदनक्यारी के 8 गांवों के 450 आदिवासी किसान और उनके परिवार वाडी परियोजना से सीधे हो रहे हैं।
- इस परियोजना के तहत 450 एकड़ भूमि में 25,000+ से अधिक आम, अमरूद और इमारती लकड़ी के पौधों की खेती की गई।

(बोकारो, 14 जुलाई 2023): ईएसएल स्टील लिमिटेड ने नाबार्ड और कार्यान्वयन भागीदार ग्रामीण सेवा संघ के साथ साझेदारी से शुरू किये गए प्रोजेक्ट वाडी को, झारखंड में पौधों की अधिकतम जीवित रहने की दर और उनके समग्र प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। NABCON ने नाबार्ड को अपने जियो-टैगिंग परिणाम प्रस्तुत किए, जिसमें यह देखा गया कि चास और चंदनक्यारी के प्रोजेक्ट वाडी के तहत क्षेत्र में राज्य के लगभग 50 वाडियों में से पौधों की उच्चतम जीवित रहने की दर हासिल की है। यह फलदायी परिणाम संगठनों द्वारा किए गए निरंतर देखभाल और प्रयासों और आदिवासी किसान समुदाय के समर्थन से प्राप्त किया गया है।

वर्ष 2021-22 में शुरू हुआ प्रोजेक्ट वाडी, चास और चंदनक्यारी ब्लॉक के 8 गांवों में अमल किया जा रहा है, जिसमें भागाबांध, हुटुपाथर, पारटांड, कुंवरपुर, नेपुरचक, आसनसोल, तेतुलिया और पश्चिम महल शामिल हैं। प्रोजेक्ट वाडी के तहत लगातार दो वर्षों (वित्तीय वर्ष 21-22 और वित्तीय वर्ष 22-23) में 450 एकड़ भूमि पर बाग का रोपण किया गया, जिससे 450 से अधिक आदिवासी किसानों और उनके परिवारों को लाभ हुआ। WADI परियोजना के माध्यम से, एक सीमांत आदिवासी किसान जिसके पास 5 एकड़ से अधिक भूमि नहीं है, वह अब रणनीतिक रूप से चयनित 3-4 फसलों के बीच अंतरफसल लगाने में कामयाब है। ईएसएल ने बोरिंग और सोलर पैनल प्रदान करके सिंचाई सुविधाओं के माध्यम से किसानों का समर्थन किया है। फसलों के साथ-साथ फल देने वाले पेड़ और इमारती लकड़ी का रोपण कर अब वही किसान जलवायु, जैविक और विपणन जोखिमों को कम करने में मदद करता है। ईएसएल द्वारा कार्यान्वित प्रोजेक्ट वाडी बाग-आधारित गतिविधियों के साथ-साथ, भूमिहीन आबादी को बेहतर आय सृजन के लिए पशुपालन और सूक्ष्म उद्यम विकास गतिविधियों से वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। परियोजना में सिंचाई, भूमि विकास, समुदाय, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के विकास की व्यवस्था भी शामिल है। WADI परियोजना का उद्देश्य जनजातीय परिवारों को बगीचे की उपज से स्थायी आजीविका प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है।

नाबार्ड के 42वें स्थापना दिवस पर, WADI लाभार्थी प्रतिनिधि श्री राजेंद्र हेमराम, श्री लार्किंदर मांझी और शैलेंदर सोरेन ने 450 किसानों की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया और उन्हें मुख्य अतिथि, माननीय राज्यपाल झारखंड, श्री सी.पी. राधाकृष्णन और नाबार्ड सी.जी., एम. श्री एस.के.जहागीरदार द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ईएसएल स्टील लिमिटेड के #बेहतरझारखंड के दृष्टिकोण में सक्रिय रूप से भाग लेने और योगदान करते हुए स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास के प्रति अथक समर्पण का प्रमाण है।

About ESL Steel Limited

Located in Siyaljori village in Bokaro district of Jharkhand, ESL is a leading manufacturer of steel products. It has a 1.5 million tonnes per annum (MTPA) greenfield integrated steel plant that produces pig iron, billets, TMT bars, wire rods, and ductile iron pipes. The plant works in sync with the prescribed environmental standards while bringing international expertise and solutions from reputed manufacturers to offer world-class services and products.